गाँव

दिनेश चाचा औ उनके लड़का कृष्ण शहर से आवै वाले रहे ई मारे प्रकाश अपने दादा के साथे बस अड्डा पै खड़ा रहय .चाचा औ उनकै लड़का कृष्ण बीएस से उतरे , दूनो दौर कै दादा कै पैलगी किहिन .प्रकाश, चाचा कै पैलगी किहिस औ कृष्ण का गले लगाईस .

दादा कहिन,दिनेश तुम्हार फ़ोन आवा रहा हम कार लैके आये हन .सब कार मा बैठ कै गाँव कैती चल दिहिन. प्रकाश कृष्ण से पूंछिस “चाचा शहर मा का काम करत हैं “

कृष्ण बताइस “पिताजी हुआं कपड़ा के कारखाना मा काम करत हैं ,अच्छा तुम बताऊ, ताऊ जी हियाँ गाँव मा का काम करत हैं ?

हम लोग तौ खेती करित है ,पिता जी खेत मा साग सब्जी उगावत हैं”प्रकाश बताइस .

कृष्ण –का हियँव की सडक पक्की हैं ?

दादाजी –हाँ अब हियाँ खडंजा औ पक्की सडकें बनि गयी हैं .

सब जने बतलात बतलात घर अटि गे .

इत्ते मा भौं- भौं कै आवाज करत मोती आवा

.ऊ सबका सूंघिस ,फिर चुप्पे से आपन पूंछ हलावै लाग ,प्रकाश औ कृष्ण खूब बतलाने ,सब बैठ कै ताजा माठा पिहिन .

दुसरे दिन कृष्ण औ प्रकाश खेतन कैती घूमैगे .

कृष्ण देखिस कि बिजली के पम्प से खेतन की सिंचाई होत रही ,कुछ खाली खेतन मा टेक्टर से जोताई होत रही .

कृष्ण –ई पियर पियर सरसों के फूल केतने नीक लागत हैं !

प्रकाश –हाँ ,आजकाल खेतन मा गोंहूँ ,गन्ना,मटर ,चना औ अल्हरी बोई हैं .

कहूं कहूं गोभी लगायी गयी है .

एक कैती गन्ना की पेराई होत रही ,दूनौ मटर की फली खाईन औ गन्ना कै ताजा रस पिहिन .

संझा हुइ गै रही ,सबके साथे गैया –भैंसी घरे लौटय लाग रहीं .

कृष्ण औ प्रकाशव खेलत कूदत घरे लौटि आये

प्रणाम –पैलगी **पिया** –पि हिन

तरफ –कैती **यहाँ** –हियाँ

इतने में -इत्ते में **गेंहूं** -गोहूँ **क्या** -का **मट्ठा** -माठा **ट्रेक्टर** –टेक्टर **अरहर** –अल्हरी **पीले** –पियर **पहुँच गये** –अ टि गे

अच्छे –नीक **लगाया** –लगायिस

अभ्यास

- तुम्हरे गाँव की सड़क कस है ?
- कान्हा खेती कई कौन मशीन देखिस
- तुम खेत मा कौन फसल देखे हौ ?

- रोटी कौन अनाज से बनत है ?
- हरी सब्जिन कैनाम लिखौ ?
- खेत मा पानी काहे से सींचा जात है ?
- गुड़ कैसे बनावा जात है ?